खनन गतिविधियों से अफ्रीकी ग्रेट एप्स को खतरा

[स्रोत: डाउन टू अर्थ]

साइंस एडवांसेज़ जर्नल में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन में अफ्रीका की **ग्रेट एप्स आबादी के लिये** [खनन गतिविधियों] **से उत्पन्न गंभीर खतरे** पर प्रकाश डाला गया है।

- अध्ययन से संकेत मिलता है कि अफ्रीका में संपूर्ण ग्रेट एप्स आबादी के एक तिहाई से अधिक,**लगभग 180,000 को खनन गतिविधियों से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष खतरों का सामना** करना पड़ता है।
- लगभग 20% महत्त्वपूर्ण आवास खनन क्षेत्रों से मिलते हैं। लाइबेरिया, सिएरा लियोन, माली और गिनी जैसे देशों में ग्रेट एप्स के आवास एवं खनन स्थलों के बीच महत्त्वपूर्ण समानताएँ दिखाई देती हैं।
- **बोनोबो (Pan paniscus); चिंपैंजी (Pan troglodytes); ईस्टर्न गोरिल्ला (Gorilla beringei); वेस्टर्न गोरिल्ला (Gorilla gorilla), एवं [ऑरंगुटान] (Pongo)** को उनके बड़े आकार एवं मानव जैसी विशेषताओं के कारण 'ग्रेट एप्स' कहा जाता है। ग्रेट एप्स होमिनिडे के रूप में वर्गीकृत प्राइमेट्स का एक वर्गीकृत परिवार हैं।
- [IUCN रेड लिस्ट] के अनुसार, सभी ग्रेट एप्स प्रजातियों को **लुप्तप्राय (EN) अथवा गंभीर रूप से संकटग्रस्त (CR)** के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mining-threatens-african-great-apes